सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२४-२०२५

कक्षा:-6 | **विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक** | **पाठ:1**

मौखिक उत्तर

1. गुलाब के प्यारे फूल बगीचे में खिले हुए थे।

2. हरी डाल का झूला हवा झुलाया करती थी।

3. मोहन लाल रंग का गुलाब का फूल देखकर बहुत ललचाया था।

4. पौधे का श्रृंगार और आशा फूल को कहा गया है।

5. फूल तोड़ने पर वह मुरझा जाएगा।

लिखित प्रश्न/ उत्तर

(क) "क्यों न तोड़ लूँ इसे" के भाव से मोहन ने फूल की तरफ हाथ बढ़ाया।

(ख) जैसे ही मोहन ने फूल तोड़ने के लिए हाथ बढ़ाया वैसे ही उसकी उंगली में कुछ चुभा और खून निकलने लगा। इस टीस और दर्द ने मोहन के मन को झकझोर दिया।

(ग) पेड़ के लिए फूल बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। फूल पेड़ की शोभा होते हैं। ये पौधे का श्रृंगार हैं, उसकी आशा, शोभा, भाषा सब कुछ हैं। फूल पेड़ की सुंदरता में चार चाँद लगा देते हैं।

(घ) फूल का पहरेदार काँटा था।

(ङ.) फूल का पहरेदार पत्तों के नीचे रहता है। यह फूल के पीछे छिपकर पहरा देता है। काँटे ने यह कहकर मोहन को फूल तोड़ने से रोक लिया कि इसे कुछ दिन हँस लेने दो, लोगों को देख लेने दो और मैं पहरे पर खड़ा हूँ तुम इसे तोड़ नहीं पाओगे।

2. (क) (iii)   (ख)v   (ग) i   (घ) ii   (ङ.) iv

3. बहुविकल्पी प्रश्न

क (iii) ख (ii) ग (i)

4. मूल्यपरक प्रश्न

1. अपने छोटे-से जीवन के लिए फूल अभिलाषाएँ करता होगा कि उसे पेड़-पौधों पर खिलने दें, कोई तोड़े नहीं। अपने छोटे-से जीवन में वह अपनी सुंदरता से प्रकृति की सुंदरता बढ़ाए। अपनी खुशबू से वातावरण को सुगंधित करे। उसे देखकर लोगों के चेहरे पर मुसकान आए। उसके रंग और सुंदरता से लोग मोहित हो।

2. हमें फूलों से अपने जीवन के लिए प्रेरणा लेनी चाहिए कि हम भी फूलों की तरह लोगों के जीवन में खुशियाँ लाएँ। प्रकृति को सुंदर बनाए रखें। जिस तरह फूल अपनी सुगंध से वातावरण को सुगंधित रखता है उसी तरह हम लोगों के जीवन के दुख-दर्द को दूर कर उन्हें खुशियाँ प्रदान करें।